RESEARCH REVIEW JOURNALS
RCTRM-2018
OCT- 2018
Special Issue

ISSN: 2455-3085 (Online)
RESEARCH REVIEW International Journal of Multidisciplinary
www.rrjournals.com [UGC Listed Journal]

आशा भोंसले का भारतीय फिल्मी संगीत में योगदान

सरगम कालड़ा

गुरु तेग बहादुर खालसा कालेज पटियाला

ARTICLE DETAILS
Article History
Published Online: 20 Oct 2018

Keywords
मराठी, असामी, हिन्दी, उर्दू, तेलगू, बंगाली
शास्त्रीय संगीत फिल्म संगीत

ABSTRACT
आशा भोंसले हिन्दी फिल्मों की प्रसिद्ध पार्श्व गायिका हैं। आशा भोंसले की विशेषता है कि उन्होंने शास्त्रीय संगीत फिल्म संगीत, गजल भजन, कव्वाली, पॉप संगीत हर क्षेत्र में अपनी आवाज का जादू बिखेरा है। उन्होंने मराठी, असामी, हिन्दी, उर्दू, तेलगू, बंगाली, गुजराती, पंजाबी, तमिल, अंग्रेजी, रशियन, मल्यालम आदि भाषाओं के गीतों को अपनी मधुर आवाज दी है। इनकी आवाज के प्रशंसक पूरी दुनिया में फैले हुये है। सबसे ज्यादा गीत रिकार्ड करवाने में इनका नाम गिनीज बुक में शामिल किया गया है। सिनेमा में उल्लेखनीय योगदान के लिये आशा भोंसले को राष्ट्रीय एवमं अंतराष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया गया है।

भारतीय हिंदी फिल्मों में आशा भोंसले जी का नाम बहुत ही सम्मान से लिया जाता है। आप सिर्फ पार्श्व गायिका ही नहीं, आप अपने आप में एक अलौकिक संस्थान हैं।आशा जी का स्वर पहाड़ी झरनो की तरह चंचल, चूडियों की खनक सा लाजवाब है। आप की आवाज में आज भी जवानी कायम है। आशा जी अब तक लगभग फिल्मी और गैर फिल्मी लगभग 16000 गीत रिकार्ड करवा चुकी हैं। आपका जन्म 6 सितम्बर 1933 को महाराष्ट्र के सांगली में हुआ। सन् 1943 में जब आप की आयु 9 वर्ष की थी, आपने पहला गीत फिल्म ''माझावल'' (मराठी फिल्म) में गाया। सन् 1945 में प्रदर्शित फिल्म माँ में दोनों बहनों (लता और आशा) ने एक साथ गाया। सन् 1948 में फिल्म चुनरिया के लिए गीत ''सावन आया'' गाया।

पार्श्व गायिका आशा भोंसले ने 16 वर्ष की आयु में 31 वर्षीय गणपत राव भोंसले से शादी रचाई, जो की परिवारिक इच्छा के विरूद्ध थी। गणपत राव लता जी के निजी सचिव थे। शादी के कुछ सालों बाद आपसी झगड़े के कारण विवाह असफल हो गया और आपको पति का घर छोड़ना पड़ा। बच्चों को पालने के लिए काफी कठिनाईयों का सामना करना पड़ा। सन् 1957 में अचानक आशा भोंसले के जीवन में सुप्रसिद्ध संगीत निर्देशक ओ.पी. नैय्यर का प्रवेश हुआ। इन दोनों की जोड़ी ने हजारों हिट फिल्मों को जन्म दिया। ओ.पी. नैय्यर के संगीत निर्देशन में सन् 1957 की फिल्म ''नया दौर'' में एक गायिका के रूप में आशा भोंसले एक राकेट की तरह छाई रही। आशा भोंसले ने ओ.पी.नैय्यर जी के गीतों को इस प्रकार गाया कि उन्हें किसी भी गायिका को बुलाने की जरूरत नहीं पड़ी। आशा भोंसले की पहली सफल फिल्म ''नया दौर'', जो बी.आर.चोपड़ा द्वारा बनाई गई थी और मोहम्मद रफी के साथ गाये गीत ''रेशमी सलवार कुर्ता जाली दा'', ''मांग के साथ तुम्हारा'', ''उड़े जब जब जुल्फें तेरी'' जो कि साहिर लुधियानवी द्वारा लिखित और ओ.पी.नैय्यर द्वारा संगीतबद्ध थे, गीतों ने अपनी एक खास पहचान बनाई। फिल्म नया दौर में उनकी प्रतिभा को पहचान कर आशा भोंसले को आने वाली बाद की फिल्मों में पुन: गाने का मौका मिला। उनकी प्रमुख फिल्में वक्त, गुमराह, हमराज, आदमी और इन्सान और धुंध आदि है। ओ.पी.नैय्यर और आशा भोंसले की यादगार फिल्में यथा मधुबाला पर फिल्मांकित गीत - आइये मेहरबां (हावड़ा ब्रिज) 1958 और मुमताज पर फिल्मांकित - ये है रेशमी जुल्फों का अंधेरा ना घबराइये (मेरे सनम) 1965, तुम सा नहीं देखा (1957), एक मुसाफिर एक हसीना (1962), कश्मीर की कली (1964) फिल्में बहुत प्रसिद्ध रही। फिल्म तीसरी मंजिल भी आशा भोंसले के लिये बहुत प्रसिद्ध रही, इस के गीतों की धुन ''आजा आजा मैं हूं प्यार तेरा'', ''ओ हसीना जुल्फों वाली'', ''ओ मेरे सोना रे''। इन सभी गीतों ने रफी जी के साथ तहलका मचा दिया। फिल्म उमरावँ जान की गजलें दिल चीज क्या है, ये क्या जगह है दोस्तों, जुस्तजु जिसकी थी- इन गजलों के संगीतकार खय्याम थे जिन्होंने आशा जी को लगातार सफलता दिलवाई। उनकी ये गजलें बहुमुखी प्रतिभा वाली साबित हुई और इनको राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित भी किया गया।

1995 में आशा जी की फिल्म ''रंगीला'' ए.आर. रहमान के साथ काफी प्रसिद्ध हुई। इस फिल्म में आशा भोंसले ने 60 बर्ष की आयु में युवा अभिनेत्री उर्मिला मतोंडकर के लिए गाकर एक बार फिर अपने चाहने वालों को चकित कर दिया। रहमान और आशा भोंसले की साझेंदारी में कई गीत रिकार्ड हुए जिनमें हिट गीत - मुझे रंग दे (त्याग) राधा कैसे ना जले(लगान) कहीं आग लगे (ताल) काफी प्रसिद्ध हुये। 1970 में आशा भोसलें ने पंचम दा के साथ कई गीत गाये यथा- ''पिया तू अब तो आजा'' (कारवां) 1970, ''दम मारो दम''- (हरे रामा हरे कृष्णा) 1971, ''दुनिया में'' (अपना देश) 1972, ''चुरा लिया है तुमने'' (यादों की बारात)1973 आदि है। इसके बाद पंचम दा के संगीत निर्देशन में आशा भोंसले ने किशोर कुमार के साथ कई प्रसिद्ध युगल गीत गाये यथा - ''जाने जां ढूढंता फिर रहा'' (जवानी दीवानी), ''भली भली सी एक सूरत''(बुड्ढा मिल गया) आदि। 1980 में पंचम दा और आशा जी के कई प्रसिद्ध गीतों को रिकार्ड किया गया। यही प्रसिद्ध सांझेदारी दोस्ती में बदल

गई और 1980 में आशा भोंसले ने पंचम दा के साथ दूसरी शादी कर ली। जो पंचम दा के अतिंम सांसो तक चली। सन् 1994 में पति की मौत के बाद आशा भोंसले को गहरा सदमा लगा। उन्होंने कुछ समय के लिए गायकी से मुंह मोड़ लिया। आशा जी के मधुर कंठ, रागों का ज्ञान, मन्द्र मध्य एवं तार तीनों सप्तको में गमक लेने की क्षमता, ताल और लय का ज्ञान, यह सारी कारीगरी आशा जी के गीतों में देखने को मिलती है। आशा जी में सबसे बड़ा गुण है कि वह गीतों के अनुसार अपनी आवाज को हर तरह से परिवर्तन कर लेती हैं। जिसका उदाहरण जाजी गीतों में जैसे ''ईना-मीना-डीका'' सर्वोत्तम है। इनके मधुर गीतों से कोई जीत नहीं सकता। आशा जी फिल्मी संगीत का अनमोल रत्न है।

आशा भोंसले के निजी एल्बम

8 सितम्बर 1987 को आशा जी के जन्म दिवस पर ''दिल पड़ोसी है'' नामक एलबम, जो गुलजार जी द्वारा रचित और आर.डी.बरमन द्वारा संगीतबद्ध थी, जारी की गई, जिसको लोगों ने बहुत पसंद किया।

1990 में आर.डी. बरमन द्वारा संगीतबद्ध गीतों को आशा जी ने रिमिक्स कर एक प्रयोगात्मक अनुभव किया, जो कई लोगों द्वारा आलोचना का विषय बना रहा। परन्तु ''राहुल'' और ''मै'' नामक एलबम काफी प्रसिद्ध रही।

इंडोपाप एलबम ''जानम समझा करो'' लेस्ली लुईस के साथ भी आशा जी ने काफी प्रसिद्धि बटोरी।

2002 में अपनी एलबम ''आपकी आशा'' जिसमें 8 गीतों का वीडियो एलबम था। जिसका संगीत खुद आशा जी ने तैयार किया था और गीत मजरूम सुल्तानपुरी द्वारा रचित थे। उस एलबम को 21 मई 2001 को सचिन तेंदुलकर जी ने एक साथ पार्टी में जारी किया था।

पाकिस्तानी गायक अदनानसामी के साथ आशा भोंसले ने ''कभी तो नजर मिलाओ'' और ''बरसे बादल'' नामक एलबम के लिए गीत गाये, जो काफी प्रसिद्ध हुये।

2004 अक्तूबर को आशा भोंसले दा क्वीन आफ बॉलीवुड द्वारा गाये गीतों का एलबम तैयार हुआ जो काफी प्रसिद्ध रहा।

2005 में आशा जी ने एक एलबम ''आशा'' जारी किया जो चार गजल गायको (मेहंदी हसन, गुलाम अली, फरीदा खान, जगजीत सिंह) को समर्पित था।

आशा जी के 60वें जन्म दिन पर ई.एम.आई. इंडिया ने तीन कैसेट जारी किये जिनमें 44 गीतों का संग्रह था।

2005 में 72 बर्षीय आशा जी ने तमिल फिल्म ''चंद्रमुखी'' और पॉप संगीत ''लक्की लिप्स'' सलमान खान के लिए गीत गाया, जो चार्ट बस्टर में काफी प्रसिद्ध रहा।

2006 में आशा भोंसले ने ''आशा एण्ड फेण्डस'' एलबम रिकॉर्ड किया जिसमें संजय दत्त और उर्मिला मतोंडकर के साथ युगल गीत गाये।

संगीतिक पुरस्कार एवंम सम्मान

1968 - गरीबों की सुनो (दस लाख)
1969 - परदे में रहने दो (शिखर)
1972 - पिया तू अब तो आजा (कारवां)
1973 - दम मारो दम (हरे रामा हरे कृष्णा)
1974 - होने लगी है रात (नैन)
1975 - चैन से हमको कभी (प्राण जाये पर वचन जाये)
1979 - यह मेरा दिल (डॉन)
1981 - दिल चीज क्या है (उमराव जान)
1996 - स्पैशन अवार्ड (रंगीला)
2001 - बाबा साहिब फाल्के पुरस्कार
2002 - बी.बी.सी. लाईफ टाईम अवार्ड
2002 - जी सिनेमा अवार्ड फार बैस्ट प्लेबैक सिंगर
2004 - लाईविंग लीजैंड अवार्ड
2005 - एम.टी.वी. अवार्ड
2008 - पदम भूषण अवार्ड
2012 - 1891 कलर सक्रीन अवार्ड
2013 - पदम विभूषण अवार्ड
2014 - दुबई इन्टरनैश्नल फिल्म फैस्टिवल अवार्ड

आशा भोंसले भारत की ही नहीं बल्कि समस्त संसार की जानी मानी हस्ती है। यह भारत की अनमोल निधि है। लोग कहते हैं कि यह महाराष्ट्र की है लेकिन पंजाबी कहते हैं यह पंजाबन है। भारत का हर व्यक्ति उनको अपना मान लेता है, क्योंकि आशा भोंसले जी ने प्रत्येक वर्ग में गीतों को अपनी वाणी दी है। उन्होंने जिस भाषा को भी अपनी आवाज दी वह भाषा उन्हीं की होकर रह गई। भाषा के साथ-2 आशा जी में उन भावों को भी संगीतिक सार्थकता प्रदान करने की अजीब क्षमता है, जिसको व्यक्त करने के लिए कई बार भाषा भी असमर्थ हो जाती है। आशा भोंसले संगीत के स्वरों की ऐसी झंकार है जिनके गीत सदियों तक संगीत जगत में गूंजते रहेंगे।

सन्दर्भ सूचि

1. हिन्दी चित्रपट एंव संगीत का इतिहास - डॉ.विमल
2. फिल्म संगीत का इतिहास - लक्ष्मी नारायण गर्ग
3. आशा भोंसले - राजू भारतन
4. स्वर सरगम - डॉ. विजय प्रवीण